वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन 2017

प्रयोग समाज सेवी संस्था
तिल्दा-नेवरा,
जिला रायपुर (छत्तीसगढ)

पृष्ठभूमि –

प्रयोग समाज सेवी संस्था की स्थापना वर्ष 1975 से आरंभ हुआ और पंजीयन वर्ष 1982 में हुआ । **प्रयोग** की पहचान एक ऐसे संस्था के रूप में रही है जिसने ग्रामीण नेतृत्व को विकसित किया है । प्रयोग ने ग्रामीण क्षेत्र के आदिवासी और वंचित समुदाय के युवक युवतियों के लिए 'गांधीयन एक्टीविज्म स्कूल' के रूप में केन्द्र को विकसित किया है । अभी तक 2000 से भी ज्यादा युवाओं को जमीनी कार्यकर्ता के रूप में प्रशिक्षित किया गया है जो राज्यभर में कार्यरत हैं ।

संस्था द्वारा दलित, आदिवासी एवं भूमिहीनों के लिये किये गये प्रमुख कार्य निम्नानुसार है –

- आदिवासी और भूमिहीनों को संगठित और एकजुट करना ।
- स्थानीय ग्रामीण नेतृत्व और सामुदायिक संगठनों को मजबूत बनाना ।
- जगरूकता के माध्यम से समझ विकसित करना व सामाजिक विषमताओं को दूर करना ।
- शासकीय योजनाओं का सफल क्रियान्वयन के माध्यम से लाभान्वित होना ।
- महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम का संचालन व अपने अधिकारों के प्रति सामूहिक प्रयास करना ।
- संघर्ष, रचना व संवाद के माध्यम से अधिकारों के लिए जागरूक करना ।
- समुदाय के संगठन और उनके समर्थन से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना ।
- जागरूकता निर्माण और मोबिलाईजेशन के विभिन्न पहलुओं जैसे लोक केन्द्रित विकास के लिए जवाबदेह संसाधन प्रबंधन, भूमि वितरण, आदिवासी समाज की जंगल में पहुंच (उपयोग–उपभोग), विकेन्द्रिकृत निर्णयों और सामाजिक राजनैतिक प्रक्रियाओं में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करना ।

<u>संस्थागत कार्यक्षेत्र</u>

प्रयोग समाज सेवी संस्था वर्ष 2017 में चार राज्यों में संगठन निर्माण, युवा नेतृत्व तैयार करना, शासकीय योजनाओं के माध्यम से खाद्यान्न आपूर्ति तथा सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का क्रियान्वयन, जैतिक खेती को प्रोत्साहित करने व कार्यक्षेत्र में संचालित समुदाय आधारित विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से राष्ट्रीय भूमि सुधार परिषद का गठन तथा आवासीय भूमि अधिकार कानून को लागू करने जैसे नीतिगत बदलाव की दिशा में प्रयास कर रही है ।

राज्यवार कार्यक्षेत्र की स्थिति इस प्रकार है –

क्र.	राज्य	जिलों की संख्या	ब्लॉक संख्या	पंचायत संख्या	गांव संख्या		
					सघन	सम्पर्क	कुल
1	छत्तीसगढ़	18	23	393	439	292	731
2	मध्यप्रदेश	18	43	472	472	314	786
3	उड़ीसा	09	14	75	225	150	375
4	झारखण्ड	06	16	58	145	97	242
		51	**96**	**998**	**1281**	**853**	**2134**

प्रमुख गतिविधियाँ
(जनवरी से दिसम्बर 2017)

1. शिक्षा का अधिकार :

- यूनिसेफ के सहयोग से संस्था द्वारा तृतीय चरण के लिए 5 संस्थाओं के साथ शिक्षा के अधिकार का संचालन किया गया, जिसमें प्रयोग समाज सेवी संस्था के बलौदाबाजार जिले के 20 प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला, निर्माण सेवा मिति के दुर्ग जिले के 20 प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला, कल्याणी सोशल वेल्फेयर एण्ड रिसर्च आर्गनाईजेशन के बालोद जिले के 20 प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला, समता जन कल्याण समिति एवं जन कल्याण सामाजिक संस्था के राजनांदगांव जिले के 40 प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की दिशा में कार्य किया गया ।
- चतुर्थ चरण में 10 संस्थाओं के साथ 8 जिले में शिक्षा के अधिकार अभियान के तहत् गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की दिशा में प्रयास किया जा रहा है, जो 5 नये संस्थाओं को जोड़ा गया, वे निम्न है –
    - नवधारा सामाजिक एवं सांस्कृतिक विकास मंच, रायपुर ।
    - साथी समाज सेवी संस्था, कोण्डागांव ।
    - जन–सहयोग सेवा समिति, छूरा, जिला गरियाबंद ।
    - लोक आस्था सेवा संस्थान, गरियाबंद ।
    - सहभागी समाज सेवी संस्था, धमतरी ।
- शिक्षा के अधिकार अभियान के तहत् फेसिलिटेटर के क्षमता विकास के साथ–साथ आर.टी.ई.मित्रों, पंचायत प्रतिनिधियों तथा शाला प्रबंध समिति के सदस्यों का शिक्षा के अधिकार अधिनियम के अन्तर्गत क्षमता विकास किया गया व कम्प्यूटर व व्यक्तित्व विकास का भी प्रशिक्षण दिया गया ।
- जिला स्तर पर गठित एडवोकेसी समूह का प्रशिक्षण व नियमित बैठक का कार्यक्रम किया जा रहा है ।
    - नियमित चलने वाली गतिविधियों में छुटे हुए बच्चों को शिक्षा से पुनः जोड़ना, स्कूल प्रबंधन समितियों को मजबूत करना, समुदाय में शिक्षा के प्रति जागरूकता पैदा करना, निर्धारित टूल्स के माध्यम से समझने का प्रयास करना

कि बच्चे स्कूल में कक्षा के हिसाब से अंकज्ञान और शब्दज्ञान अर्जित कर पा रहे हैं या नहीं, बच्चों के सीखने लायक वातावरण निर्माण करना ।

2. कुपोषण पर जागरूकता कार्यक्रम

- यूनिसेफ के सहयोग से कुपोषण पर जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया, जो अक्टूबर 2016 से फरवरी 2017 तक रहा ।
- इस कार्यक्रम के तहत् मुख्य रूप से प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें छत्तीसगढ़ राज्य के 19 जिलों से 50 कार्यकर्ता तथा मुखिया साथी प्रशिक्षित हुये, जो प्रशिक्षक के रूप में होंगे ।
- प्रशिक्षण के दौरान जिन विषयों को शामिल किया गया तथा आयोजित किया गया, वह निम्नानुसार रहा –

क्र.	विषय–वस्तु	अवधि	स्थान
1	बाल अधिकार एवं कुपोषण की समझ पर राज्य स्तरीय कार्यशाला	10–13 नवम्बर, 2016	प्रयोग आश्रम, तिल्दा
2	स्थानीय उपलब्ध संसाधनों के उपयोग से कुपोषण की परख पर जानकारी बढाना पर राज्य स्तरीय कार्यशाला	4–6 जनवरी 2017	प्रयोग आश्रम, तिल्दा
3	संचार एवं अभियान की रणनीति विकसित करने पर राज्य स्तरीय कार्यशाला	6–7 फरवरी, 2017	प्रयोग आश्रम, तिल्दा
4	संचार सामग्री विकसित करने के लिए राज्य स्तरीय कार्यशाला	13 – 18 फरवरी 2017	प्रयोग आश्रम, तिल्दा
5	संचार सामग्री का क्षेत्र परिक्षण कार्यक्रम	26 – 29 मार्च, 2017	सरगुजा एवं जशपुर जिला

उपरोक्त कार्यशाला के माध्यम से छत्तीसगढ़ के 50 साथियों को कुपोषण के प्रति जागरूकता बनी है जो कार्यक्षेत्र के गांवों में अन्य समुदाय को संगठन के साथ जोड़ने में सहयोगी हुआ ।

3. जैविक खेती के माध्यम से खाद्य और पोषण सुरक्षा :

संस्था द्वारा जिला कबीरधाम, सरगुजा और जशपुर के 30 गांवों में संरक्षित जनजाति पहाड़ी कोरवा और बैगा समुदाय के मध्य जैविक खेती के माध्यम से खाद्य और पोषण सुरक्षा की दिशा में के बीच में किया जा रहा है । इस कार्यक्रम के माध्यम से निम्न–लिखित गतिविधियॉ संचालित की जा रही है –

- प्रत्येक परिवार में कम्पोस्ट बॉक्स व किचन गार्डन तैयार करना ।
- बहु फसलीय तथा मिश्रित खेती को प्रोत्साहन देना ।

- उद्यानिकी तथा फूलों की खेती प्रारंभ करना व जैविक खेती के लिए प्रत्येक परिवार को जागरूक करना ।
- पशुपालन के लिए प्रेरित करना ।
- शासकीय योजनाओं – विधवा–वृद्धावस्था तथा विकलांग को पेंशन, मनरेगा के तहत् काम की मांग व समय पर मजदूरी भुगतान, गरीबी रेखा कार्ड, वनाधिकार के तहत् अधिकार पत्र, अन्त्योदय जैसे अन्य शासकीय योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करना ।
- एस.एच.जी. के माध्यम से अन्य वित्तीय संस्थाओं से फण्ड लेना तथा अनेक आर्थिक कार्यक्रमों के संचालन से जीवन स्तर में बदलाव लाना ।

उपरोक्त गतिविधियों के माध्यम से प्रत्येक परिवार में 9 से 12 माह का खाद्यान्न आपूर्ति सुनिश्चित करना है, जिसके तहत् 700 परिवारों में से 425 परिवारों का 9 से 12 माह तक भोजन आपूर्ति हो सका है ।

4. ग्रामीण अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन :

प्रयोग समाज सेवी संस्था के द्वारा राज्य के 1500 गांवों में सामुदायिक संगठन का निर्माण किया गया है । इन संगठनों को स्वयं सहायता समूह के रूप में भी परिवर्तन किया गया है । इन समूहों में अनाज कोष और ग्रामकोष का संकलन किया जाता है अभी तक इन समूहों के पास सामूहिक रूप से 7,77,321.00 रूपये और 22,979.30 क्विंटल अनाज एकत्रित है । कई समूहों ने अपने खुद के बचत किये हुए राशि से सामूहिक खेती, दोना–पत्तल निर्माण, बकरी पालन, बांस–बर्तन निर्माण एव बिक्री, खेती के औजार खरीदकर किराये से देना, सामूहिक मछलीपालन जैसे आयवर्द्धक गतिविधियों को संचालित कर रहे हैं । छोटी–छोटी बचतों के माध्यम से गांव की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का काम सामुदायिक संगठनों के माध्यम से किया जा रहा है ।

5. महिलाओं का सशक्तीकरण :

समाज के सबसे अंतिम छोर पर खड़े महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए प्रयोग ने काफी महत्वपूर्ण कार्य किया है, जो निम्नानुसार है –

- महिलाओं के स्वयं सहायता समूह के माध्यम से आर्थिक कार्यक्रम संचालित करने के लिए प्रेरित किया गया, जिसके परिणाम स्वरूप रेडी टू ईट, मध्यान्ह भोजन जैसी सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है ।
- ग्रामीण संगठन निर्माण में 50 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी को अनिवार्य किया गया है ताकि विभिन्न कार्यक्रमों में उनकी भागीदारी सुनिश्चित हो सके ।
- ग्रामसभाओं में विशेष रूप से भागीदारी करने के लिए उन्हें निरंतर प्रेरित किया जा रहा है इसी का परिणाम है कि प्रयोग के कार्यक्षेत्र में ग्रामसभाओं में महिलाओं की भागीदारी में वृद्धि हो रही है ।

- महिलाओं को घरेलु हिंसा कानून, वनाधिकार कानून, सूचना का अधिकार कानून, शिक्षा का अधिकार कानून और अनुसूचित जाति/जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम जैसे कानूनों की जानकारी दी गयी है ।
- इस तरह की प्रक्रियाओं से महिलाओं में जागरूकता का स्तर बढ़ा है और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए आगे आ रही है ।

6. ग्रामीण युवाओं का नेतृत्व विकास :

संस्था ने अपने आरंभिक काल से ही ग्रामीण युवाओं के बीच में नेतृत्व क्षमता प्रशिक्षण अभियान के रूप में चलाया है । विभिन्न तरह के कानूनी प्रशिक्षणों के माध्यम से उन्हें जागरूक बनाने का प्रयास किया गया है । वर्तमान में ग्रामीण युवाओं को अहिंसक समाज के रचना के लिए ग्राम स्वराज के कल्पना के साथ गांव के विकास में युवाओं की भागीदारी पर व्यापक रूप से प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि ग्रामीण युवा अपने गांव के विकास में समान भागीदारी निभा सके ।

संगठन निर्माण परियोजना के माध्यम से आयोजित युवा नेतृत्व विकास प्रशिक्षण शिविर निम्नानुसार है –

- दिसम्बर 2016 तक 23 युवा नेतृत्व विकास प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 2368 युवक–युवती भाग लिये । इन 23 शिविरों में 10 छत्तीसगढ़, 3 उड़ीसा, 3 झारखण्ड तथा 7 मध्यप्रदेश राज्य शामिल है ।
- जनवरी से दिसम्बर 2017 तक 26 युवा नेतृत्व विकास प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, जिसमें अतिरिक्त 2340 युवक–युवती भाग लिये, जिसमें 7 छत्तीसगढ़, 11 मध्यप्रदेश, 5 उड़ीसा तथा 3 झारखण्ड राज्य शामिल है । उड़ीसा के जाजपुर जिले के लिये निर्धारित शिविर अभी किन्हीं कारणों से सम्पन्न नहीं हो पाया है ।

7. सहयोगी संस्थाओं का आन्तरिक स्व–शासन प्रबंधन, वित्तीय प्रबंधन तथा सामाजिक दायित्व पर क्षमता विकास कार्यक्रम :

- प्रयोग समाज सेवी संस्था द्वारा संगठन निर्माण परियोजना के माध्यम से 4 राज्यों के 34 सहयोगी संस्थाओं के लिये आन्तरिक स्व–शासन प्रबंधन, वित्तीय प्रबंधन तथा सामाजिक दायित्व पर क्षमता विकास कार्यशाला आयोजित किया जाता है । पूर्व में यह सूची 25 संस्थाओं का था ।
- इस कार्यशाला का प्रथम चक्र 13 से 15 अक्टूबर 2016 को आयोजित किया गया, जिसका संदर्भ व्यक्ति सी.पी.ए. नई दिल्ली रहा ।
- द्वितीय चक्र का कार्यशाला 3 से 5 मई 2017 को आयोजित किया गया, जो प्रमुखतः वित्तीय प्रबंधन पर रहा ।
- जिन सहयोगी संस्थाओं को क्षमता विकास करना है, वे निम्नानुसार है –

- **छत्तीसगढ़ राज्य के 11 सहयोगी संस्थायें** – ग्रामीण विकास प्रतिष्ठान, खोज आवाम जन जागृति समिति, क्षितिज समाज सेवी संस्था, ग्राम मित्र प्रतिष्ठान, जनहित छत्तीसगढ़ विकास समिति, जागृति सेवा संस्था, छत्तीसगढ़ एक्शन एण्ड रिसर्च टीम, सहभागी समाज सेवी संस्था, जन सहयोग सेवा समिति, नवरचना छत्तीसगढ़, जन जागरण समिति ।
- **मध्यप्रदेश राज्य के 12 सहयोगी संस्थायें** – नवरचना समाज सेवी संस्थान, एकता परस्पर सहयोगी संस्थान, नाद गुंजन, बुन्देलखण्ड विकास समिति, ज्ञान ज्योति संस्था, नई दिशा, आजार बहुउद्देशीय डॉ. अम्बेडकर संस्थान, प्रयास शिक्षा समिति, आदिवासी विकास मण्डल, आदिवासी संरचना सेवा संस्थान, एकता फाउण्डेशन ट्रस्ट, कदम्ब ।
- **उड़ीसा राज्य के 8 सहयोगी संस्थायें** – लोक विकास परिषद, ग्राम भारती, इन्साफ, वर्ड, जन कल्याण संस्था, गांव मुक्ति संगठन, जाजपुर एकता मंच, ट्राईबल डेवेलपमेन्ट ट्रस्ट ।
- **झारखण्ड राज्य के 3सहयोगी संस्थायें** – निलाम्बर–पीताम्बर एजुकेशन रिसर्च आर्गनाईजेशन, सी.डी. भारतीय विकास समिति, नया सबेरा विकास केन्द्र ।

8. मॉडल गांव निर्माण :

- परियोजना क्षेत्र के सभी जिलों में दो–दो मॉडल गांव तैयार किया जा रहा है, जिसके तहत् छत्तीसगढ़ राज्य के 18 जिलों में 36 मॉडल गांव, मध्यप्रदेश के 18 जिलों में 36 मॉडल गांव, उड़ीसा के 9 जिलों में 18 मॉडल गांव तथा झारखण्ड राज्य के 6 जिलों में 12 मॉडल गांव बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है ।
- इस प्रकिया के तहत् समुदाय द्वारा रचनात्मक कार्य– तालाब गहरीकरण, कच्चा सड़क निर्माण, कुँआ नवीनीकरण, बांध बंधान, नाला सफाई आदि का काम किया जा रहा है, साथ ही शासकीय योजनाओं के व्यापक कियान्वयन तथा हितग्राहियों को उनका फायदा दिलाने का प्रयास किया जा रहा है ।
- समूह द्वारा किये गये सामूहिक श्रमदान के माध्यम से लगभग 17,02,312/– रू. का कार्य किया गया ।
- इन मॉडल गांवों में कब्जे की जमीन व पट्टे की जमीन पर जैविक तरीके के खेती, किचन गार्डन, कम्पोस्ट गड्ढा, वृक्षारोपण – फलदार व ईमारती आदि दिशा में व्यापक कार्य किया जा रहा है ।
- इन गांवों के समूह द्वारा किये जा रहे आर्थिक कार्यक्रम के तहत् सामूहिक खेती, मछली पालन, दोना–पत्तल उद्योग, ईंट भट्ठा, झाड़ू निर्माण, हल्दी प्रोसेसिंग द्वारा 827 परिवारों द्वारा 14,12,500/– रू. के कार्यक्रम चलाया गया, जिससे लगभग 8,85,000/– का फायदा हितग्राहियों को हुआ है ।

9. <u>ब्लॉक एवं जिला स्तरीय कार्यक्रम</u> – पिछले 6 माह के दौरान किये गये कार्यक्रम

- **<u>कोण्डागांव</u>** जिले के जिला मुख्यालय का 300 लोगों द्वारा घेराव कार्यक्रम आयोजित किया गया । परिणाम स्वरूप अपर कलेक्टर महोदय ने समुदाय के समक्ष प्रस्तुत हुए और समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए आश्वास्त

किया । फलस्वरूप कलेक्टर महोदय द्वारा पत्र लिखकर ग्रामीण मुखिया प्रतिनिधियों को आमंत्रित गया तथा गंभीरता पूर्वक समस्याओं को सुनते हुए तत्काल निराकरण करने हेतु प्रशासनिक अमले को गांव तक पहुॅचने का दौर चल रहा है तथा स्वयं कलेक्टर महोदय भी मोटर साईकिल से गांव तक जा रहे हैं ।

- **<u>नारायणपुर</u>** जिले में जिला स्तरीय मुखिया सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें 15 गांवों से 350 मुखिया साथी सम्मिलित हुए तथा अपनी समस्याओं पर चर्चा करने के लिए जिला कलेक्टर से संवाद करने की रणनीति तैयार किये ।

- **<u>कोरिया</u>** जिले के भरतपुर ब्लॉक में कई वर्षो से लम्बित भूमि के प्रकरणों पर निराकरण नहीं होने की स्थिति में अनिश्चितकालीन धरना कलेक्टर कार्यालय के सामने करने का निर्णय लेते हुए अनुमति की मांग की, जिस पर कलेक्टर महोदय ने प्रतिनिधि मंडल के आमंत्रित कर समस्याओं को सामने रखने और उस पर निराकरण करने का आश्वासन देते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को सूचना देकर समस्याओं के निराकरण के लिये टॉस्कफोर्स कमेटी का गठन किया, जिसमें एकता परिषद एवं स्थानीय मुखियाओं को शामिल कर निराकरण की कार्यवाही प्रारंभ की, जो जारी है ।

- **<u>बलरामपुर</u>** जिले के राजपुर ब्लॉक में एक दिवसीय भूमि अधिकार सम्मेलन के माध्यम से लम्बित प्रकरणों पर त्वरित कार्यवाही किये जाने हेतु अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को प्रतिनिधि मण्डल ने ज्ञापन सौंपकर उचित कार्यवाही करने की मांग की, जिस पर जॉच कार्यवाही जारी है ।

- **सरगुजा** जिले के मैनपाट ब्लॉक के ग्राम बागढोढा के विशेष जन–जाति पहाड़ी कोरवा को किसी प्रकार का प्रशासनिक लाभ नहीं मिल रहा था, जिसके लिए स्थानीय कार्यकर्ता एवं ग्रामीणों के सहयोग से जिला प्रशासन को अवगत कराया गया, जिस पर वर्तमान कलेक्टर महोदया ने तुरन्त कार्यवाही करते हुए 26 परिवारों में से 25 परिवारों को वनाधिकार पत्र तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत् 12 परिवारों को आवास तथा पेयजल के लिए हेण्डपम्प, बिजली व्यवस्था के लिए सोलर पॉवर, कृषि करने हेतु बीज, खाद, कृषियंत्र उपलब्ध कराया गया है । ''यह संगठन को समुदाय द्वारा उपरोक्त सुविधा के पूर्व सामूहिक प्रयास से 3.50 किलोमीटर का कच्चा सड़क निर्माण के लिए शासन द्वारा बधाई तथा उपरोक्त सुविधाओं को मुहैया कराया गया । समुदाय द्वारा किये गये इस सराहनीय प्रयास पर आई.जी.एस.एस.एस. नई दिल्ली द्वारा अवार्ड दिया गया है ।''

10. अन्य गतिविधियॉ –

- सदस्यता निर्माण – जनवरी से दिसम्बर 2017 तक 6309 सदस्यों का चयन व सदस्यता निर्माण किया गया ।

- अन्नदान अभियान – जनवरी 2017 से 5 दिसम्बर 2017 तक 319 गांवों में व्यापक तौर पर अन्नदान अभियान चलाया गया तथा 7030 परिवारों से सीधे सम्पर्क कर 6869 किलोग्राम अनाज का संकलन समुदाय द्वारा किया गया तथा अन्य सहयोगी साथियों से 150 किलोग्राम अनाज संकलित किया गया, जिसकी कीमत औसतन रू. 10/– के हिसाब से 70,400/– होगा । इसके अतिरिक्त सामूहिक अन्नदान अभियान के दौरान समुदाय से रू. 33,300/– नगद तथा अन्य सहयोगी साथियों के द्वारा रू. 1500/– का संकलन किया गया ।

- व्यक्तिगत अधिकार – छत्तीसगढ़ राज्य स्तर पर व्यक्तिगत अधिकार के तहत् कुल 10418 दावे लगाये गये हैं, जिसका रकबा 15170.926 हैक्टेयर हैं । नवम्बर 2017 तक 5860 परिवारों को 7215.719 हैक्टेयर का अधिकार पत्र वितरित किया गया है ।

- वनाधिकार अभियान – सामुदायिक अधिकार – छत्तीसगढ़ राज्य स्तर पर सामुदायिक अधिकार के तहत् कुल 213 दावे लगाये गये हैं, जिसका रकबा 19836.931 हैक्टेयर हैं । नवम्बर 2017 तक 44 गांवो को 967.847 हैक्टेयर का अधिकार पत्र वितरित किया गया है, जिसमें 6 महीने के दौरान गरियाबंद जिले के ग्राम पंचायत हरदी व ग्राम पंचायत दॉतबॉय प्रमुख है ।

11. **प्रयोग आश्रम प्रांगण में आयोजित अन्य संस्थाओं द्वारा कार्यक्रम** –
    - महात्मा गांधी सेवा आश्रम जौरा द्वारा कार्यकर्ता समीक्षा बैठक ।
    - यूनिसेफ के सहयोग से लोक आस्था मंच द्वारा क्षमता विकास कार्यक्रम ।
    - अम्बुजा सीमेण्ट फाउण्डेशन द्वारा केडर क्षमता विकास प्रशिक्षण ।
    - समर्थ ट्रस्ट द्वारा आर.टी.ई. वॉच स्टॉफ का क्षमता विकास प्रशिक्षण ।
    - एकलव्य– भोपाल द्वारा समीक्षा एवं योजना निर्माण बैठक ।
    - अम्बुजा सीमेण्ट फाउण्डेशन द्वारा फिल्ड भ्रमण कार्यक्रम ।
    - छत्तीसगढ़ बचाओ आन्दोलन द्वारा नेटवर्किंग बैठक ।
    - श्रुति– नई दिल्ली द्वारा युवा नेतृत्व विकास प्रशिक्षण ।

(अरूण कुमार)
सचिव

संस्थागत कार्यक्षेत्र

क्र.	राज्य	जिला का नाम		ब्लॉक संख्या	पंचायत संख्या	गांव संख्या
1	छत्तीसगढ़	1	राजनांदगांव	1	15	40
		2	नारायणपुर	1	18	40
		3	कोण्डागांव	1	43	43
		4	कांकेर	1	13	45
		5	धमतरी	2	11	43
		6	गरियाबंद	1	17	43
		7	महासमुन्द	1	22	40
		8	रायपुर	1	37	43
		9	बलौदाबाजार	1	31	31
		10	बिलासपुर	1	26	39
		11	मुंगेली	1	11	40
		12	सरगुजा	2	20	64
		13	कोरिया	1	16	41
		14	बलरामपुर	2	11	40
		15	सूरजपुर	2	36	41
		16	जशपुर	2	36	48
		17	रायगढ़	1	28	40
		18	कबीरधाम	1	2	10
				23	**393**	**731**
2	मध्यप्रदेश	1	मुरैना	4	24	55
		2	श्योपुरकलॉ	1	25	40
		3	ग्वालियर	3	36	40
		4	शिवपुरी	2	33	50
		5	विदिशा	2	37	40
		6	सागर	3	38	45
		7	टीकमगढ़	4	36	46
		8	दमोह	2	19	40
		9	सीधी	4	27	40
		10	शहडोल	3	27	46
		11	उमरिया	3	21	40
		12	जबलपुर	3	33	40
		13	सिवनी	1	25	40
		14	बालाघाट	2	14	41
		15	रायसेन	2	26	50
		16	सिहोर	2	25	51

		17	झाबुआ	1	18	42
		18	अलीराजपुर	1	8	40
				43	**472**	**786**
3	उड़ीसा	1	कालाहण्डी	1	3	40
		2	कंधमाल	1	5	40
		3	सुन्दरगढ़	2	12	40
		4	रायगड़ा	3	11	44
		5	बालॉगीर	1	10	40
		6	नयागढ़	1	3	46
		7	जाजपुर	1	10	40
		8	पुरी	3	11	45
		9	खुर्दा	1	10	40
				14	**75**	**375**
4	झारखण्ड	1	पलामू	3	9	40
		2	गुमला	3	9	40
		3	चतरा	3	10	40
		4	हजारीबाग	2	9	40
		5	धनबाद	2	14	42
		6	कोडरमा	3	7	40
				16	**58**	**242**
	कुल		**51**	**96**	**998**	**2134**